गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर

एवं

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास

के संयुक्त तत्वावधान में

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

में

भारतीय ज्ञान परम्परा का क्रियान्वयन

विषय पर आयोजित

दो दिवसीय कार्यशाला

के शुभारंभ में आप सादर आमंत्रित हैं।

कार्यक्रम के

मुख्य अतिथि

डॉ. अतुल कोठारी

राष्ट्रीय सचिव
शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली

एवं

विशिष्ट अतिथि

प्रो. नीलाम्बरी दवे

पूर्व कुलपति
सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट

व

विशिष्ट अतिथि

श्री देशराज शर्मा

राष्ट्रीय संयोजक
चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास

होंगे
तथा कार्यक्रम की

अध्यक्षता

प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल

कुलपति
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर
करेंगे।

कक्ष क्र.-1, रजत जयंती सभागार
10 जुलाई 2023 (सोमवार)
प्रात: 10:00 बजे

प्रो. परमेन्द्र कुमार बाजपेयी
कार्यक्रम समन्वयक

उत्तरापेक्षी
प्रो. मनीष श्रीवास्तव
कुलसचिव

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारतीय ज्ञान परम्परा का क्रियान्वयन

(राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में भारतीय ज्ञान परम्परा की अवधारणा पर दो दिवसीय कार्यशाला)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर, छत्तीसगढ़
एवं
शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली
का संयुक्त आयोजन

10-11 जुलाई 2023

श्रावण-कृष्ण पक्ष
अष्टमी-नवमी
विक्रम संवत 2080

मुख्य संरक्षक

डॉ. अतुल कोठारी
राष्ट्रीय सचिव
शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास

संरक्षक

प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल
कुलपति
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

सह-संरक्षक

प्रो. मनीष श्रीवास्तव
कुलसचिव
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

समन्वयक

प्रो. परमेन्द्र कुमार बाजपेयी
समन्वयक, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 टास्क फोर्स
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

विषय विशेषज्ञ

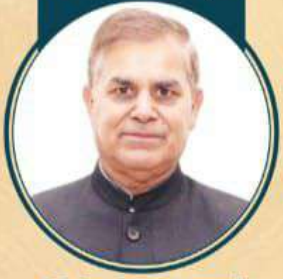

श्री देशराज शर्मा
राष्ट्रीय संयोजक
चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास

विषय विशेषज्ञ

डॉ. मनोहर भंडारी
एम.बी.बी.एस., एम.डी.
इंदौर

कार्यशाला का उद्देश्य

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में भारतीय ज्ञान परम्परा के अवयवों विशेषतः व्यक्तित्व विकास एवं चरित्र निर्माण की पंचकोशीय अवधारणा को धरातल पर लागू करने हेतु पाठ्यक्रम अनुसार सभी विषयों के साथ व्यावहारिक समावेश करते हुए पाठ्यक्रम के साथ जोड़ना।
- शिक्षा के इस आधारभूत विषय का निश्चित पाठ्यक्रम तैयार कर विद्यार्थियों को इसका व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना तथा भारतीय ज्ञान परंपरा के अनुसार वैश्विक चुनौतियों के समाधान हेतु पाठ्यक्रम एवं पाठ्य पद्धति तैयार करना।

विचारणीय विषय

- भारतीय ज्ञान परम्परा के अवयवों की अवधारण एवं उनका महत्व
- पंचकोश की संकल्पना एवं व्यक्तित्व विकास
- अन्नमय कोश, प्राणमय कोश, मनोमय कोश, विज्ञानमय कोश, आनंदमय कोश को पाठ्यक्रमों में समाहित करना
- पंचकोशों का अर्थ, महत्व, विकास के कारक तत्व, आयाम, गतिविधियां तथा गतिविधियों से जीवन कौशल विकास पर विषयवार पाठ्यक्रम का निर्माण